

- JILT** (v.) : विप्रलम्बते ( लम्, c. 1. ). *I am clearly j.ed* : व्यक्तमस्मि विप्रलम्बा, D.
- JINGLE** (v.) : शिङ्गे ( शिङ्ग, c. 7. ) : v. To tinkle.
- JINGLE** (subs.) : शिङ्गा or शिङ्गितम् : v. Tinkling.
- JINGLING** (adj.) : (1) शिङ्गिन् ( f. नी ) ; (2) ऋण-ऋणायमानः ( ना, नं ).
- JOB** (subs.) : I. A work : सामान्यकर्मन् ( n. ). II. A public transaction for private profit : स्वार्थपरं कार्यम् (?). Ph. : *to do a j. for one, i.e. to kill* : शमयति ( c. of शम् ), Vi. iii. 24.
- JOBBER** : सामान्यकर्मकारिन् ( f. णी ) (?).
- JOCKEY** (subs.) : अश्वलाक्षिकः : v. Also groom.
- JOCKEY** (v.) : v. To cheat, deceive : (also of men).
- JOCOSE** : I. Of expressions, etc. : (1) हास्यकरः ( री, रं ), etc. (=exciting laughter), *j. and quarrelsome* : हास्यकरः कलहरतिः, Sah. ; (2) हास्यगर्भ ( f. मी ), etc. (=containing laughter) ; (3) विनोदिन् ( f. नी ) or विनोदकरः ( री, रं ) (=amusing). II. Of persons : परिहास-शीलः ( ला, लं ) ; रसिकः ( का, कं ) (=witty).
- JOCOSELY** : (1) परिहासेन ; (2) परिहासपूर्वम्.
- JOCOSENESS** : I. Of style, etc. : हास्यकरत्वम्, -ता, etc. II. Of persons : परिहासशीलता, etc. Better by adj. : v. Jocose.
- JOCULAR, JOCULARITY** : v. Jocose, -ness, -ly.
- JOCUND** : सरसः ( सा, सं ) : v. Merry.
- JOG** (v.) : I. To push gently : चालयति ( c. of चल् ) (?). II. To j. on : मन्दं मन्दं सर्पति ( सप्, c. 1. ).
- JOG** (subs.) : "to give an invisible j." : अदृश्यमीष-दपसारणं करोति (?).
- JOG-TROT** : I. Lit. : गजगतिः (?). II. A habitual mode of action : गजगतिः (?).
- JOIN** (v.t.) : I. To unite : q.v. : युनक्ति or योजयति, सं-, आ-, (युज्, c. 7. and 10.), *you have j.ed yourself in great penances* : आयोजितस्तपसि महत्यात्मा, K. II. To come to, go over : गच्छति ( गम्, c. 1. ). याति ( या, c. 2. ), एति ( इ, c. 2. ), etc., *j.ed Yudhiṣṭhira with his forces* : बलेनागादयुधिष्ठिरम्. *Dhrīṣṭaketu j.ed the sons of Pāṇḍu* : धृष्टकेतुरपागच्छत् पाण्डवान् ; *with the hill-chiefs, j.ed the sons*

*of Pāṇḍu* : पार्वतीयैर्महीपालैः सहितः पाण्डवानियात् ; *j.ed Duryodhana* : दुर्योधनमुपयातौ, Mah. v. 19. 1-17. ; *to j. battle* : रणं गच्छति, V. p.

**JOIN** (v.i.) : I. Lit. : (1) संयुज्यते ( pass. of युज् ) (rare) ; (2) by युक्तः ( का, कं ). II. To take part in : (1) उपागच्छति ( गम्, c. 1. ) ; (2) उपैति ( इ, c. 2. ) ; (3) आयाति ( या, c. 2. ).

**JOINER** : (1) सूत्रधारः ; (2) तक्षन् ( m. ) (=carpenter : q.v.).

**JOINT** (subs.) : (1) सन्धिः, *j.s are flexible and inflexible* : सन्ध्यश्चेष्टावत्यः स्थिराश्च, Bha. ; *there are three j.s in every toe* : एकैकस्यां पादाङ्गुल्यां त्रयस्त्रयः सन्ध्यः, Bha. ; *out of j.* : सन्धिमुक्तः ( का, कं ), Sr. ; (2) पर्वन् ( n. ) (in plants and animals : also the part between two j.s in a plant : might be applied to a j. of meat), *in every j. of the sugarcane* : इद्वोः पर्वणि पर्वणि, P. ii. ; *with j.s. rough like those of bamboo* : वेणुकर्कशपर्व ( f. र्वा ), R. xii. 41. ; (5) ग्रन्थिः (=knot).

**JOINT** (v.) : I. To join : q.v. : सन्दधाति ( धा, c. 3. ). II. To disjoint : वियोजयति ( c. of युज् ).

**JOINT** (adj.) : I. Combined : (1) समवेतः ( ता, तं ) ; (2) संहतः ( ता, तं ). II. Held in common : साधारण ( f. णी ), *j. property* : साधारणधनम्, Da. ; *j.-family property* : संसृष्टिधनम्, Mit. ; *j.-stock-company* : सम्भूयकारिणः or precisely \*समवाय-मूलप्रयोक्तारः. III. Sharing in common : सह-in comp., *j. heir* : एकरिक्थिन् ( f. नी ), M. ix. 162.

**JOINTLY** : (1) सह ; (2) समवायेन ; (3) सम्भूय : v. Unitedly, together.

**JOINTURE** : सौदायिकं धनम् (?), Mit.

**JOIST** : \*कोलकाष्ठम्.

**JOKE** (subs.) : (1) परिहासः, *practical j.* : \*कर्मपरिहासः : v. Jest. : (2) प्रहासः, *even in j.* : प्रहासनेऽपि, Ka. v. 20. ; (3) नर्मन् ( n. ) (=play), *I speak in earnest, no j.* : सत्यं ब्रवाणि, न नर्म, B. p.

**JOKE** (v.) : (1) परिहासं करोति ; (2) क्रीडति (=to play).

**JOKER** : (1) परिहासयितृ ( m. ) ; (2) परिहासवेत् ( m. ) ; (3) परिहासकारिन् ( m. ).

**JOKING** (subs.) : परिहासः, *away with j.* : अलं परिहासेन.